700 टी20 विकेट पूरे करने वाले पहले गेंदबाज बने

Page-04

भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

संजय लीला भंसाली और केतन मेहता की जोड़ी लौट आई एक साथ:

Page-05

पथुम निसांका ने जमाया मौजूदा विश्वकप का पहला शतक,

ऑस्ट्रेलिया की सुपर-8 की राह मुश्किल

खेल, टीवी भारतवर्ष

टी20 विश्व कप 2026 के 30वें मुकाबले में श्रीलंका ने मेजबान पल्लेकेले में ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराकर सुपर-8 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में 10 विकेट पर 181 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका ने सिर्फ 18 ओवर में दो विकेट खोकर 184 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।श्रीलंका की जीत की सबसे बड़ी वजह पथुम निसांका की तूफानी शतकीय पारी रही। उन्होंने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी से टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई और मैच का रूख पूरी तरह से श्रीलंका के पक्ष में कर दिया। इस जीत के साथ मेजबान टीम ने सुपर-8 में प्रवेश कर लिया और अपने अभियान को और मजबूत कर दिया।ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार महंगी साबित हुई। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम ने मिचेल मार्श और ट्रेविस हैड की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 181 रन बनाए, लेकिन उनके बल्लेबाज टीम को आवश्यक गति नहीं दे पाए। जवाब में श्रीलंका ने पथुम निसांका की पारी के दम पर लक्ष्य आसानी से हासिल किया।इस हार के साथ ऑस्ट्रेलिया की सुपर-8 की राह अब कठिन हो गई है। लगातार दो मैचों में हारने के बाद ग्रुप बी की अंक तालिका में ऑस्ट्रेलिया तीसरे स्थान पर खिसक गया है। वहीं, जिम्बाब्वे चार अंक और 1.984 के नेट रन रेट के साथ दूसरे पायदान पर है। मंगलवार को जिम्बाब्वे का मुकाबला आयरलैंड से होना है। यदि जिम्बाब्वे यह मैच जीत जाती है, तो वह सुपर-8 में प्रवेश कर जाएगी और ऑस्ट्रेलिया का यह टूर्नामेंट में सफर यहीं समाप्त हो जाएगा। ऑस्ट्रेलिया को अपना आखिरी ग्रुप मैच ओमान के खिलाफ खेलना है।वहीं, श्रीलंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ग्रुप बी में शीर्ष स्थान बनाए रखा है। टीम के खाते में छह अंक और 2.462 का नेट रन रेट है। श्रीलंका की इस जीत ने न केवल टीम को सुपर-8 में मजबूती दी है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी बढ़ाया है। विशेषज्ञों के अनुसार पथुम निसांका की पारी ने मैच का न सिर्फ स्वरूप बदल दिया, बल्कि ऑस्ट्रेलिया के लिए कठिन परिस्थितियां खड़ी कर दीं। इस जीत ने श्रीलंका को टूर्नामेंट में उच्च स्थान दिलाया और उनके प्रशंसकों में उत्साह बढ़ा दिया। इस तरह, 30वें मुकाबले में श्रीलंका की प्रभावशाली जीत ने न केवल सुपर-8 की दौड़ को स्पष्ट किया है, बल्कि ऑस्ट्रेलिया की संभावनाओं को भी चुनौतीपूर्ण बना दिया है। अब टूर्नामेंट के अंतिम चरण में किस टीम की राह आसान होगी, यह मंगलवार के मुकाबलों के परिणाम पर निर्भर करेगा।

2026 टी-20 विश्व कप का पहला शतक श्रीलंका के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका ने जड़ दिया है। सोमवार (16 फरवरी) को पल्लेकेले इंटरनेशलन स्टेडियम में खेले ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच खेले गए मुकाबले में पथुम निसांका ने शानदार बल्लेबादी करते हुए 52 गेंदों में शतकीय पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों की कमर तोड़कर रख दी

नवजोत कौर ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा–'जमीनी हकीकत से दूर हैं'

पंजाब, टीवी भारतवर्ष

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता नवजोत कौर ने हाल ही में पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर तीखी प्रतिक्रिया दी है और कहा कि वे जमीनी हकीकत से दूर हैं। नवजोत कौर ने आरोप लगाया कि शायद यह पद उन्हें उपहार में मिला है, क्योंकि उन्होंने निचले स्तर से संघर्ष नहीं किया और पार्टी संगठन में जमीनी स्तर की चुनौतियों को सीधे अनुभव नहीं किया।उन्होंने आगे कहा कि किसी भी नेता के लिए यह समझना बेहद जरूरी है कि जनता की वास्तविक समस्याएं क्या हैं और उनका सामना किस तरह से किया जा सकता है। इसके बिना नेता न केवल लोगों की जरूरतों को समझने में असफल रहते हैं, बल्कि राजनीतिक निर्णयों में भी असंतुलन पैदा होता है।नवजोत कौर ने यह भी कहा कि ग्राउंड जीरो का अनुभव नेताओं को संगठनात्मक समझ और जनता के साथ बेहतर तालमेल बनाने में मदद करता है। उनका तर्क था कि यदि कोई नेता इस स्तर को नहीं समझता, तो जनता के दृष्टिकोण और उनकी अपेक्षाओं के बीच एक दूरी बन जाती है। राजनीतिक विश्लेषकों के

अनुसार, नवजोत कौर की यह टिप्पणी पार्टी में भीतर चल रही असंतोष की झलक भी पेश करती है और यह संकेत देती है कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व की भूमिका और जमीनी संगठन में तालमेल पर गंभीर बहस चल रही है।

स्वास्थ्य पर चिंता बढ़ी

मुख्यमंत्री भगवंत मान दोबारा अस्पताल में भर्ती

पंजाब, टीवी भारतवर्ष

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को सोमवार को दोबारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। सुबह उन्हें मोहाली के फोर्टिस अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था, लेकिन कुछ घंटों बाद ही उनकी तबीयत बिगड़ने पर शाम को उन्हें पुनः अस्पताल ले जाया गया।सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री की स्थिति को लेकर अधिकारियों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लगातार निगरानी शुरू कर दी है। फोर्टिस अस्पताल की टीम ने कहा कि उनकी स्वास्थ्य समस्याओं को गंभीरता से देखा जा रहा है और सभी आवश्यक जांच और उपचार जारी हैं।मुख्यमंत्री की अचानक तबीयत बिगड़ने से राजनीतिक हलकों और जनता में भी चिंता बढ़ गई है। पिछले कुछ समय से भगवंत मान के स्वास्थ्य को लेकर अटकलें लगाई जा रही थीं। अस्पताल में भर्ती होने के दौरान उनके करीबी सहयोगियों और पार्टी नेताओं ने मीडिया से दूरी बनाकर उन्हें निजी उपचार की पूरी स्वतंत्रता देने की अपील की।स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि मुख्यमंत्री की स्थिति फिलहाल स्थिर

है, लेकिन लगातार निगरानी और देखरेख जरूरी है। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि उनकी हालत पर नजर बनाए रखी जाएगी और चिकित्सकीय सलाह के अनुसार कदम उठाए जाएंगे।इस बीच, मुख्यमंत्री भगवंत मान के उपचार और स्वास्थ्य के बारे में अधिक जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी। पंजाब की जनता और राजनीतिक नेतृत्व दोनों ही उनके जल्दी स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के पुनः अस्पताल में भर्ती होने से प्रशासन और पार्टी दोनों ही सक्रिय स्थिति में हैं।

असम की राजनीति में बड़ा उलटफेर: भूपेन कुमार बोरा ने इस्तीफा देने के कुछ घंटों में ही वापस लिया निर्णय

असम, टीवी भारतवर्ष

असम की राजनीति में 16 फरवरी को एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला जब कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने अपने इस्तीफे को कुछ ही घंटों में वापस ले लिया। दिन की शुरुआत में इस्तीफा देने और शाम तक उसे वापस लेने की खबर ने राजनीतिक हलकों में जोरदार हलचल पैदा कर दी। इस घटना ने न केवल असम कांग्रेस में बल्कि पूरे प्रदेश की राजनीतिक चर्चा में भी गहनता पैदा कर दी।भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफा वापस लेने के बाद असम कांग्रेस इंचार्ज भंवर जितेंद्र सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि भूपेन कुमार बोरा कांग्रेस परिवार के एक अहम सदस्य हैं। उन्होंने बताया कि बोरा ने अपना इस्तीफा पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेजा था, लेकिन कभी-कभी कांग्रेस परिवार में मतभेद और असहमति उत्पन्न हो जाती है।भंवर जितेंद्र सिंह ने कहा, "कांग्रेस अध्यक्ष ने उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। पार्टी की नेतृत्व टीम ने उन्हें समझाया और उनसे लंबी बातचीत की। राहुल गांधी समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने व्यक्तिगत रूप से बातचीत कर इसे सुलझाया। हमारी कोशिश थी कि पार्टी की एकता बनी रहे और वरिष्ठ नेता भूपेन बोरा का योगदान आगे भी जारी रहे।"उन्होंने आगे कहा, "भूपेन कुमार बोरा पिछले 30 वर्षों से कांग्रेस से जुड़े हुए हैं। उनका अनुभव और योगदान पार्टी के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। हम उनका इस्तीफा वापस लेने के लिए धन्यवाद देते हैं और आशा करते हैं कि वह आने वाले समय में पार्टी की मजबूती और संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।"भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफे और उसके तत्काल बाद वापसी की घटना ने असम कांग्रेस में न केवल संगठनात्मक स्थिरता की दिशा में संदेश दिया है, बल्कि यह भी दिखाया कि पार्टी नेतृत्व ने वरिष्ठ नेताओं की नाराजगी और मतभेदों को समझदारी और संवाद के जरिए हल करने की कोशिश की।राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि इस घटनाक्रम ने असम की राजनीति में

कांग्रेस के अंदरूनी समीकरणों को भी उजागर किया है। भूपेन कुमार बोरा जैसे वरिष्ठ नेता की नाराजगी और उसका तुरंत समाधान पार्टी के भीतर नेतृत्व की सक्रियता और वरिष्ठ नेताओं के बीच संवाद को दर्शाता है। इस घटना से यह भी स्पष्ट हुआ कि पार्टी में व्यक्तिगत मतभेदों को राजनीतिक रणनीति और बातचीत के माध्यम से जल्दी सुलझाया जा सकता है।भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफा देने और फिर उसे वापस लेने की प्रक्रिया ने राज्य की राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चा को जन्म दिया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह घटना पार्टी की संगठनात्मक मजबूती और वरिष्ठ नेताओं के योगदान के महत्व को दर्शाती है। साथ ही, यह संदेश भी देती है कि कांग्रेस अपने वरिष्ठ नेताओं को महत्व देती है और उनकी संतुष्टि और समर्थन को बनाए रखने के लिए सक्रिय प्रयास करती है।अंततः, भूपेन कुमार बोरा के इस्तीफा वापस लेने से असम कांग्रेस में शांति और संगठनात्मक स्थिरता बनी हुई है।

गूगल सहित कई दिग्गज कंपनियां शामिल

भारत मंडपम में एआई सम्मेलन का आगाज

इंडिया AI इम्पैक्ट एक्सपो 2026, जो इंडिया AI इम्पैक्ट समिट के साथ 16 से 20 फरवरी 2026 तक आयोजित हो रहा है, ने देश में और दुनिया भर में तकनीकी समुदाय में उत्साह का नया स्तर खड़ा कर दिया है। इस वर्ष की समिट की थीम "सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय" है, जो यह संदेश देती है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का विकास केवल तकनीकी उन्नति तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे समाज के हर वर्ग के लिए लाभकारी और समावेशी बनाया जाना चाहिए।एक्सपो में 300 से अधिक प्रदर्शनियां और 13 देशों के पवेलियन शामिल हैं, जिसमें वैश्विक तकनीकी दिग्गज कंपनियां जैसे गूगल, एनवीडिया, अमेज़न, मेटा, ओपनएआई, माइक्रोसॉफ्ट, और भारत की प्रमुख कंपनियां अपने एआई इनोवेशन और समाधानों को प्रदर्शित कर रही हैं।समिट का उद्घाटन सोमवार को भारत मंडपम में भारी भीड़ और लंबी कतारों के बीच हुआ। सुबह साढ़े नौ बजे के समय से पहले ही आगंतुक भारत मंडपम के बाहर अपने प्रवेश का इंतजार कर रहे थे। इस विशाल कार्यक्रम में प्रतिभागियों की संख्या इतनी अधिक थी कि कई सत्रों में लोग खड़े होकर ही पैनल चर्चाओं और प्रस्तुतियों को सुनने के लिए मजबूर थे।इस वर्ष की समिट में एआई क्षेत्र के सबसे प्रभावशाली नेताओं की भागीदारी भी देखने को मिली। सुंदर पिचाई (गूगल के सीईओ), सैम ऑल्टमैन (ओपनएआई के सीईओ), और दारियो अमोडेई (एंथ्रोपिक के सीईओ) ने अपने विचार साझा किए और एआई के भविष्य, नैतिक उपयोग और वैश्विक सहयोग पर जोर दिया।समिट के अंतिम दो दिन, 19 और 20 फरवरी को, दुनिया के 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख इसमें शामिल होंगे। उनकी उपस्थिति वैश्विक स्तर पर भारत की एआई नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित करती है और यह संकेत देती है कि एआई नीतियों और रणनीतियों में भारत की भूमिका तेजी से बढ़ रही है।इंडिया AI इम्पैक्ट समिट 2026 में कुल 3,250 से अधिक वक्ता और 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें मुख्य विषयों में एआई के युग में रोजगार के भविष्य, कौशल विकास, बड़े पैमाने पर सुरक्षित और भरोसेमंद एआई, एआई शासन और बुनियादी ढांचा, जनरेटिव एआई के उपयोग, और सार्वजनिक क्षेत्र में एआई के अनुप्रयोग शामिल हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यह समिट न केवल तकनीकी नवाचार के लिए मंच है, बल्कि नीति निर्माण और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। एआई एक्सपो और समिट ने भारत को वैश्विक एआई मानचित्र पर एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित किया है। आयोजन स्थल पर प्रदर्शित नवीनतम एआई तकनीकों में रोबोटिक्स, प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, स्मार्ट शहर समाधान, और हेल्थकेयर एआई शामिल हैं। तकनीकी उत्साही और पेशेवर इस कार्यक्रम से एआई के व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बारे में सीखने और नए व्यापारिक अवसर तलाशने का अवसर प्राप्त कर रहे हैं। इस समिट के माध्यम से भारत न केवल एआई के विकास में वैश्विक भागीदार बन रहा है, बल्कि यह सुनिश्चित कर रहा है कि एआई समाज के सभी वर्गों के लिए समावेशी और लाभकारी बने।

मुलुंड मेट्रो हादसे में प्रोजेक्ट डायरेक्टर समेत 5 गिरफ्तार

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के मुलुंड इलाके में शनिवार को निर्माणाधीन मेट्रो रेल लाइन-4 के गर्डर पुल का एक स्लैब गिरने से हुए हादसे में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह हादसा एलबीएस रोड पर जॉनसन एंड जॉनसन फैक्टरी के पास हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 3 अन्य घायल हो गए। मुलुंड पुलिस ने इस मामले में BNS की धारा 105, 110, 324(5) और 3(5) के तहत मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में कंपनी के मैनेजर, इंजीनियर, सुपरवाइजर और वर्कर को आरोपी बनाया गया है। पुलिस और नगर निकाय अधिकारियों के मुताबिक, दोपहर में एलबीएस रोड पर निर्माणाधीन मेट्रो रेल लाइन-4 के गर्डर पुल की पैरापेट दीवार का एक स्लैब एक ऑटो रिक्शा और एक कार पर गिर गया, जिससे दोनों वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 3 अन्य घायल हो गए। बता दें कि लाइन-4 दक्षिण-मध्य मुंबई के वडाला से पड़ोसी ठाणे तक बनाई जा रही है, जिसका एक बड़ा हिस्सा विक्रोली, भांडुप, मुलुंड आदि क्षेत्रों को जोड़ने वाले प्रमुख एलबीएस मार्ग के ऊपर से गुजरता है।

भारत की जीत के बाद दिल्ली पुलिस ने मजेदार पोस्ट किया है। उन्होंने लिखा, गलत जगह यू-टर्न लोगे तो यूहीं मुंह की खाओगे।

बांग्लादेश में चुनाव के बाद अशांति, उपद्रवियों ने घरों में लगाई आग; दर्जनों घायल

बांग्लादेश आम चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। इस चुनाव में सत्ता की कमान बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के हाथों में आ गई है। चुनाव के नतीजे आने के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा हुई। पांच अलग-अलग जिलों में हुई हिंसक घटनाओं में कम से कम नौ लोग घायल हो गए। उपद्रवियों ने एक घर में आग भी लगा दी। नटोर जिले के लालपुर उपजिला में शनिवार रात को तनाव काफी बढ़ गया। यहां बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के ही दो गुट आपस में भिड़ गए। इस आपसी लड़ाई में छह लोग घायल हुए हैं। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार ने लालपुर पुलिस स्टेशन के प्रभारी मोहम्मद मोजिबर रहमान ने बताया कि इस मामले में पुलिस ने दो संदिग्धों को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से एक बंदूक भी बरामद की है और घटना को लेकर केस दर्ज कर लिया है। एक अलग घटना में, शेरपुर जिले के सदर उपजिला में भी हिंसा की खबर आई। यहां जमात-ए-इस्लामी के सदस्यों ने एक बीएनपी कार्यकर्ता पर हमला कर दिया। घायल

कार्यकर्ता का नाम गियासुद्दीन रसेल है और उनकी उम्र 35 साल है। रसेल शेरपुर-1 सीट से बीएनपी की उम्मीदवार संसिला जेब्रिन प्रियंका के चुनाव एजेंट के रूप में काम कर रहे थे। इसी तरह की एक और घटना फेनी जिले के दगनभुयान उपजिला में हुई। यहां के दक्खिन भबानीपुर गांव में बीएनपी के लोगों ने जमात कार्यकर्ता नूरुल अबसार बेलाल को निशाना बनाया। हमलावरों ने बेलाल के घर में उन पर हमला किया। उन्हें गंभीर हालत में पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया और फिर फेनी जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अमेरिका-हंगरी नागरिक परमाणु समझौते पर बनी सहमति

हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में सोमवार को अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और प्रधानमंत्री विक्टर ऑर्बन के बीच अहम बैठक हुई। इस दौरान दोनों देशों के बीच नागरिक परमाणु ऊर्जा सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर की तैयारी की गई। इस समझौते को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ही समर्थन दिया है। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब हंगरी में 12 अप्रैल को आम चुनाव होने वाले हैं और ऑर्बन की पार्टी फिदेस को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। वर्ष 2010 में सत्ता में वापसी के बाद से यह चुनाव उनके लिए सबसे कठिन माना जा रहा है। रुबियो इससे पहले स्लोवाकिया के दौरे पर थे और उससे पहले उन्होंने जर्मनी में आयोजित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया था। मध्य यूरोप के इन देशों के साथ ऊर्जा समझौतों को मजबूत करना अमेरिकी कूटनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है। हंगरी और स्लोवाकिया दोनों ही यूरोपीय संघ में ऐसे देश माने जाते हैं, जिन्होंने यूक्रेन को लेकर पश्चिमी नीतियों पर खुलकर सवाल उठाए हैं। ऑर्बन को यूरोपीय संघ में रूस समर्थक रुख रखने वाले प्रमुख नेताओं में गिना जाता है। उन्होंने यूक्रेन युद्ध के बावजूद क्रेमलिन से रिश्ते पूरी तरह नहीं तोड़े हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऑर्बन को मजबूत और विजेता नेता बताते हुए आगामी चुनाव के लिए समर्थन दिया था। ट्रंप और उनके समर्थक 'मागा' (MAGA) विचारधारा के तहत हंगरी को राष्ट्रवादी राजनीति का उदाहरण मानते हैं।

दुनियाभर में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X ठप: ऐप और वेब दोनों सेवाएं प्रभावित

इलॉन मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X (पहले ट्विटर) की सर्विस आज दुनियाभर में ठप हो गई हैं। हजारों यूजर्स फीड एक्सेस नहीं कर पाने और ब्लैंक स्क्रीन दिखने की शिकायत कर रहे हैं। हालांकि यह बीच में कुछ समय के लिए फिर से चालू और बंद हो रहा है। आउटेज को ट्रैक करने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' पर शाम 7 बजे से अब तक ज्यादा 45,000 से ज्यादा लोग शिकायत कर चुके हैं। यूजर्स का कहना है कि वे न तो अपनी टाइमलाइन देख पा रहे हैं और न ही नई पोस्ट कर पा रहे हैं। X की सर्विस 1 महीने में दूसरी बार ठप हुई है। इससे पहले 16 जनवरी को भी भारत,अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा समेत कई देशों में हजारों यूजर्स को एक्सेस करने में परेशानी हुई थी। डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दुनियाभर में X के 49% यूजर्स वेबसाइट नहीं चला पा रहे हैं। वहीं,41% लोगों को एप इस्तेमाल करने में परेशानी हो रही है और करीब 10% ने बताया कि टाइमलाइन लोड करने में दिक्कत हो रही है।इस आउटेज का असर मोबाइल

एप्लिकेशन और डेस्कटॉप वर्जन दोनों पर देखा गया। यूजर्स ने बताया कि एप खोलने पर उन्हें सिर्फ ब्लैंक स्क्रीन दिख रही है। इसके साथ ही मस्क की कंपनी xAI का चैटबॉट 'ग्रोक' भी काम नहीं कर रहा। यूजर्स के रिफ्रेश करने पर पुरानी पोस्ट गायब हो रहीं और कोई नया डेटा लोड नहीं हो रहा।इलॉन मस्क या X की सपोर्ट टीम ने अभी तक इस आउटेज की वजह या इसके ठीक होने के समय को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। आमतौर पर X ऐसे मामलों में आंतरिक रूप से पैच अपडेट जारी करता है, जिसके बाद सर्विस धीरे-धीरे बहाल होती है।

संपादक की कलम से

भारत का केंद्रीय बजट 2026–27 1 फरवरी 2026 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद में पेश किया गया, और यह देश की आर्थिक नीति की दिशा तय करने वाला एक प्रमुख दस्तावेज है। इस बजट में विकास, समावेशन और पुनर्गठन के बड़े लक्ष्य रखे गए हैं, लेकिन आशाएँ और वास्तविक प्रभाव अलग-अलग वर्गों — किसानों, मध्यम वर्ग और युवाओं — के जीवन पर अलग तरह से पड़ेंगे। सबसे पहले बात करें आर्थिक आकड़ों की दिशा की। इस बार पब्लिक कैपेक्स (सरकारी पूंजीगत व्यय) को लगभग ₹12.2 लाख करोड़ तक बढ़ाया गया है, ताकि बुनियादी ढांचे को मजबूत कर भारत की विकास गति को बरकरार रखा जा सके। साथ ही, राजकोषीय घाटा को लगभग 4.3–4.4 % के स्तर पर बनाए रखने का लक्ष्य रखा गया है, जो संकेत देता है कि सरकार आर्थिक स्थिरता और निवेश-प्रोत्साहन के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही है।किसानों के लिए यह बजट एक रणनीतिक रुख दिखाता है। कृषि-क्षेत्र को लगभग ₹1.63 लाख करोड़ का आवंटन दिया गया है, जिसमें यह जोर दिया गया है कि खेती अब केवल पारंपरिक कृषि तक सीमित नहीं रहे — उच्च-मूल्य फसलें जैसे नारियल, काजू, कोको, चंदन एवं पशुपालन तथा मत्स्यपालन जैसे क्षेत्रों में रोजगार और आय को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही Bharat-VISTAAR नामक बहुभाषी AI-आधारित डिजिटल मंच किसानों को मौसम, मंडी भाव और कृषि सलाह उपलब्ध कराने के लिए पेश किया गया है, जिससे उनके निर्णय अधिक सूचित और लाभकारी बन सकें।

हालाँकि यह पहल तकनीकी रूप से सकारात्मक लगती है, लेकिन कृषि की बुनियादी चुनौतियाँ — जैसे सिंचाई की व्यापक पहुँच, भूमि एवं जल संरचना में सुधार, और न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की विश्वसनीयता — अभी भी ऐसे क्षेत्रों हैं जहाँ जमीनी असर तुरंत दिखना बाकी है। कुछ समीक्षाएँ यह भी इंगित करती हैं कि कृषि बजट का हिस्सा कुल राष्ट्रीय व्यय में अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंचा है, जिससे "किसान-पहला बजट" के दावे पर बहस जारी है। मध्यम वर्ग तथा आम टैक्सपेयर्स के लिए बजट प्रत्यक्ष टैक्स स्लैब में कोई बड़ा बदलाव नहीं लाता, जिससे तुरंत कर राहत सीमित है। हालांकि टैक्स प्रशासन में सुधार, TCS-TDS नियमों में सरलीकरण और कुछ विशेष कल्याणकारी प्रावधानों से टैक्स कम्प्लायंस में आसानी तथा कुछ वर्गों के लिए अप्रत्यक्ष राहत की उम्मीद बनती है। उन्मुख और समावेशी बजट बताया है, वहीं विपक्ष एवं सामाजिक-आर्थिक आलोचक इसे अमीर-समर्थक और गरीब/मध्यम वर्ग की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं बताने वाले स्वर भी रहे हैं।

मणिशंकर अय्यर का दावा:

एमके स्टालिन बन सकते हैं INDIA गठबंधन के 'किंगमेकर'

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को INDIA गठबंधन को एकजुट करने के लिए सबसे उपयुक्त नेता बताया। उन्होंने कहा कि स्टालिन गंभीर मुद्दों पर ध्यान देते हैं और राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने में बाधा नहीं बनेंगे। अय्यर ने पार्टी नेतृत्व की आलोचना करते हुए स्टालिन को विपक्षी एकता का 'किंगमेकर' बताया।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने सोमवार को डीएमके प्रमुख और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को INDIA गठबंधन को मजबूत और एकजुट करने के लिए सबसे उपयुक्त नेता बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी दलों को प्रभावी बनाने के लिए मजबूत नेतृत्व और रणनीतिक समन्वय बेहद जरूरी है। अय्यर के अनुसार, स्टालिन में वह राजनीतिक परिपक्वता और संतुलन है, जो विभिन्न दलों को एक मंच पर बनाए रख सकता है।अय्यर ने कहा कि स्टालिन नारेबाजी की राजनीति से दूर रहते हैं और गंभीर मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले एक वर्ष में स्टालिन ने भारत में संघवाद से जुड़े लगभग सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाया है। उनके मुताबिक, स्टालिन की राजनीति उग्र भाषणों के बजाय संवैधानिक और संस्थागत दृष्टिकोण पर आधारित रही है।कांग्रेस नेता ने कहा कि स्टालिन ने कभी 'सूट-बूट की सरकार' या 'चौकीदार चोर है' जैसे नारे नहीं लगाए। अय्यर के अनुसार, यही उनकी राजनीतिक शैली की खासियत है। उन्होंने कहा कि स्टालिन में यह क्षमता है कि वे राहुल गांधी के प्रधानमंत्री बनने की राह में बाधा नहीं बनेंगे। उनका मानना है कि अगर INDIA गठबंधन को मजबूत और स्थिर विकल्प के रूप में प्रस्तुत होना है, तो उसे ऐसे नेता की आवश्यकता है जो व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा से ऊपर उठकर विपक्षी एकता को प्राथमिकता दे।अय्यर ने स्टालिन की तुलना पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के. कामराज से करते हुए ऐतिहासिक संदर्भ भी दिया। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद जब कामराज को प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला, तब उन्होंने पद स्वीकार करने के बजाय संगठनात्मक एकता को प्राथमिकता दी थी। अय्यर के अनुसार, कामराज ने नेतृत्व के प्रश्न पर व्यक्तिगत आकांक्षा से ऊपर उठकर पार्टी और देश के हित को रखा।उन्होंने कहा कि स्टालिन भी इसी प्रकार की भूमिका निभा सकते हैं। अय्यर ने कहा, "अगर INDIA ब्लॉक को एकजुट करना है, तो इसे एकजुट करने के लिए एमके स्टालिन सबसे उपयुक्त व्यक्ति हैं।" उन्होंने यह भी कहा कि जब कामराज से नेहरू के बाद प्रधानमंत्री बनने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने पद की इच्छा नहीं जताई। अय्यर के अनुसार, स्टालिन की वर्तमान स्थिति भी कुछ वैसी ही है, जहां वे स्वयं पद की दावेदारी किए बिना 'किंगमेकर' की भूमिका निभा सकते हैं।अय्यर ने कहा कि राहुल गांधी भारत के प्रधानमंत्री बन सकते हैं, बशर्ते कोई ऐसा नेता हो जो अपना पूरा समय और ऊर्जा INDIA गठबंधन को एकजुट रखने में लगाए। उनके अनुसार, स्टालिन में वह क्षमता है कि वे विभिन्न क्षेत्रीय और राष्ट्रीय दलों के बीच संतुलन स्थापित कर सकें और साझा एजेंडा तैयार कर सकें।हालांकि, विपक्षी एकता की बात करते हुए अय्यर ने अपनी ही पार्टी के नेतृत्व पर तीखी टिप्पणी भी की। उन्होंने कांग्रेस के कुछ प्रमुख नेताओं की कार्यशैली पर सवाल उठाए। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा के बारे में उन्होंने कहा कि उन्हें प्रवक्ता बनाना समझ से परे है और वे स्वतंत्र रूप से बोलने के बजाय वही दोहराते हैं जो उन्हें बताया जाता है।इसके अलावा, अय्यर ने एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल पर भी निशाना साधा। उन्होंने वेणुगोपाल के बारे में कठोर टिप्पणी करते हुए पार्टी की आंतरिक स्थिति पर सवाल उठाए। अय्यर ने कहा कि यह कल्पना करना मुश्किल है कि कोई पार्टी केसी वेणुगोपाल जैसे नेता को राहुल गांधी के स्तर तक पहुंचा दे।अय्यर के इन बयानों से राजनीतिक हलकों में व्यापक चर्चा शुरू हो गई है। एक ओर उन्होंने स्टालिन को विपक्षी एकता का संभावित सूत्रधार बताया, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे और नेतृत्व पर गंभीर सवाल खड़े किए।विश्लेषकों का मानना है कि अय्यर का बयान ऐसे समय आया है जब विपक्षी दल आगामी चुनावों की रणनीति पर विचार कर रहे हैं। स्टालिन को संभावित 'किंगमेकर' बताना और राहुल गांधी की दावेदारी को समर्थन देना विपक्षी राजनीति में नए समीकरणों की ओर संकेत करता है।अय्यर का यह भी कहना है कि अगर विपक्ष को प्रभावी चुनौती पेश करनी है, तो उसे नारेबाजी की बजाय ठोस नीतिगत मुद्दों पर ध्यान देना होगा। उनके अनुसार, स्टालिन की राजनीतिक शैली इस दिशा में एक उदाहरण प्रस्तुत करती है।कुल मिलाकर, अय्यर के बयान ने न केवल विपक्षी राजनीति में नई बहस छेड़ दी है, बल्कि कांग्रेस के भीतर नेतृत्व और रणनीति को लेकर भी मंथन की स्थिति पैदा कर दी है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि उनके सुझावों और आलोचनाओं का राजनीतिक परिदृश्य पर क्या असर पड़ता है।

हिमंत सरमा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, बंदूक वीडियो मामले में याचिका खारिज

सर्वोच्च न्यायालय ने असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के कथित 'मिया मुस्लिम' संबंधी बयानों और विवादित बंदूक वीडियो के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाली याचिका को खारिज कर दिया। अदालत ने याचिकाकर्ता को सीधे सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने पर कड़ी फटकार भी लगाई।मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि ऐसे मामलों में पहले संबंधित उच्च न्यायालय का रुख किया जाना चाहिए। अदालत ने टिप्पणी की कि सर्वोच्च न्यायालय तेजी से "राजनीतिक युद्धक्षेत्र" में तब्दील होता जा रहा है, जो उचित नहीं है।सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने सवाल किया, "आपको उच्च न्यायालय जाने से क्या रोक रहा है? क्या आप यह कहना चाहते हैं कि उच्च न्यायालय भी राजनीतिक युद्धक्षेत्र बन गया है?"याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने तर्क दिया कि मामले में महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न शामिल हैं और मुख्यमंत्री के खिलाफ विशेष जांच की आवश्यकता है। इस पर अदालत ने पूछा कि क्या उच्च न्यायालय विशेष जांच समिति गठित नहीं कर सकता।पीठ ने यह भी कहा कि चुनाव नजदीक आते ही इस प्रकार की याचिकाएं सर्वोच्च न्यायालय में दायर की जाती हैं, जो एक दुर्भाग्यपूर्ण प्रवृत्ति है। अदालत ने सभी पक्षों से संयम बरतने और संवैधानिक नैतिकता का पालन करने की अपील की।उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने असम में बंगाली मूल के मुसलमानों के संदर्भ में प्रयुक्त 'मिया मुस्लिम' शब्द को लेकर कई टिप्पणियां की हैं, जिससे विवाद उत्पन्न हुआ। मुख्यमंत्री का कहना है कि वे अवैध अप्रवासन के मुद्दे को उठा रहे हैं, जबकि आलोचकों का आरोप है कि उनकी टिप्पणियां घृणास्पद भाषण के समान हैं और इससे समुदाय विशेष के खिलाफ माहौल बन सकता है।

हिमाचल में राज्यपाल-सरकार टकराव गहराया, शिव प्रताप शुक्ल ने अभिभाषण बीच में छोड़ा

हिमाचल प्रदेश में राजभवन और राज्य सरकार के बीच बढ़ती खींचतान सोमवार को उस समय खुलकर सामने आ गई, जब राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अपना पूरा निर्धारित अभिभाषण पढ़ने से इनकार कर दिया।विधानसभा को संक्षिप्त रूप से संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि उन्हें पूरा अभिभाषण पढ़ना चाहिए। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि तैयार भाषण में संवैधानिक संस्थाओं से संबंधित टिप्पणियां शामिल हैं। राज्यपाल ने कहा कि अभिभाषण का शेष भाग मुख्य रूप से राज्य सरकार की उपलब्धियों और उसके भविष्य के रोडमैप से जुड़ा है, जिस पर सदन स्वतंत्र रूप से चर्चा कर सकता है।सदन के सदस्यों का अभिवादन करने के बाद उन्होंने अपना संक्षिप्त संबोधन समाप्त किया और विश्वास जताया कि सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं पर विधानसभा में विचार-विमर्श होगा। राज्यपाल के इस कदम को प्रदेश में पहले से जारी राजनीतिक तनाव के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।दरअसल, 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद राज्य को मिलने वाले राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) को बंद किए जाने का मुद्दा प्रदेश की राजनीति में केंद्र में है। यह विषय राज्यपाल के तैयार अभिभाषण का प्रमुख हिस्सा था, जिसे उन्होंने नहीं पढ़ा। राज्य सरकार का कहना है कि आरडीजी बंद होने से राज्य को हर साल लगभग 10,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है।सरकार के अनुसार, यह अनुदान पहले राज्य के कुल बजट का लगभग 12.7 प्रतिशत था और देश में सबसे अधिक था। वित्तीय दबाव का सामना कर रही सरकार ने इस मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा कराने के लिए नियम 102 के तहत प्रस्ताव भी पेश किया है।आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, राज्य के अपने संसाधन लगभग 18,000 करोड़ रुपये हैं, जबकि वेतन, पेंशन, ब्याज भुगतान, ऋण चुकौती, सब्सिडी और सामाजिक सुरक्षा पेंशन सहित प्रतिबद्ध व्यय करीब 48,000 करोड़ रुपये है। केंद्रीय करों के हस्तांतरण में राज्य का हिस्सा लगभग 13,950 करोड़ रुपये आंका गया है।करीब 10,000 करोड़ रुपये के ऋण को शामिल करने के बाद भी राज्य के कुल उपलब्ध संसाधन लगभग 42,000 करोड़ रुपये तक ही पहुंचते हैं, जिससे वित्तीय संसाधनों में बड़ा अंतर बना रहता है। अब तक इस अंतर की भरपाई काफी हद तक राजस्व घाटा अनुदान से होती रही है।हालांकि, आरडीजी बंद होने के बाद सरकार ने बजटीय प्रबंधन और विकास कार्यों को जारी रखने में गंभीर चुनौतियों की बात कही है। ऐसे में राज्यपाल का अभिभाषण अधूरा छोड़ना और आरडीजी पर जारी विवाद प्रदेश की राजनीति में टकराव के और तेज होने के संकेत दे रहा है।

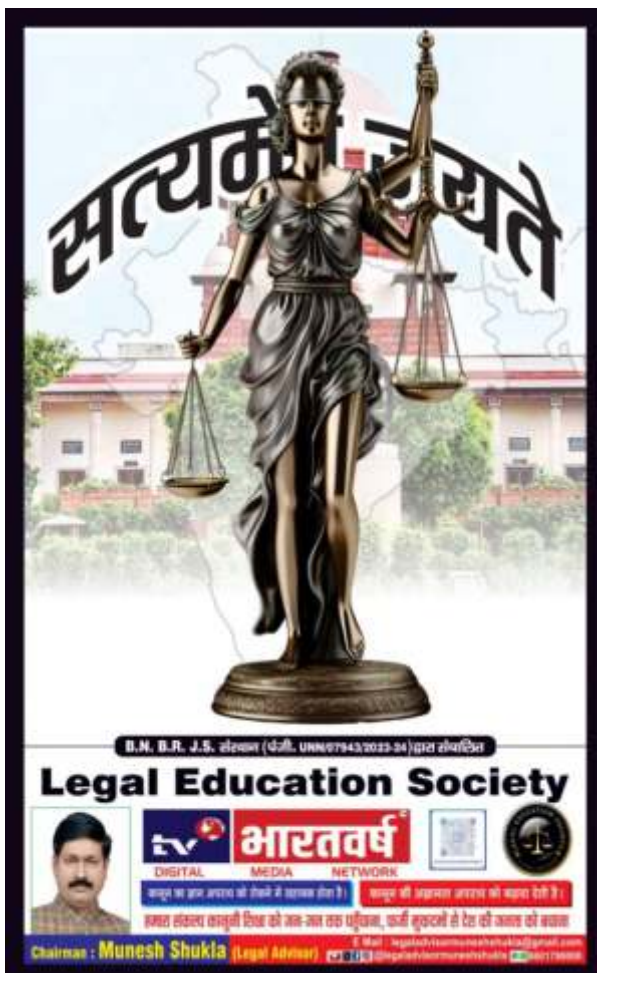

यूपी बोर्ड ने परीक्षाओं में नकल पर छात्र पर आपराधिक मुकदमा न करने का फैसला,

शिक्षकों और अन्य जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (UPMSP) ने 2026 की परीक्षाओं में नकल करते पकड़े गए छात्रों के मामलों को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई छात्र परीक्षा के दौरान नकल करता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं किया जाएगा। यह निर्णय छात्रों को गंभीर मानसिक दबाव से बचाने और उन्हें शिक्षण प्रक्रिया के भाग के रूप में सुधार का मौका देने के उद्देश्य से लिया गया है।बोर्ड ने हालांकि यह भी कहा कि अनुचित साधन या गलत तरीके से परीक्षा देने पर छात्रों के खिलाफ परीक्षा प्राधिकारी द्वारा कार्रवाई की जाएगी। इसमें छात्रों का नाम ब्लैकलिस्ट करना, अंक काटना या परीक्षा परिणाम को प्रभावित करना शामिल हो सकता है। बोर्ड ने यह व्यवस्था छात्रों के हित में करते हुए कहा है कि यह कदम उनकी शैक्षिक यात्रा को अनावश्यक रूप से प्रभावित नहीं करेगा।यूपी बोर्ड ने यह भी साफ किया कि ऐसे मामलों में शिक्षक, परीक्षार्थियों के अभिभावक या परीक्षा केंद्र के अन्य जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यदि किसी केंद्र पर लापरवाही बरती गई या नकल रोकने के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाए गए, तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बोर्ड ने कहा कि परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने और शैक्षिक प्रणाली की विश्वसनीयता को बनाए रखना प्राथमिकता है।बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, इस निर्णय का उद्देश्य छात्रों पर सीधे आपराधिक दबाव डालने के बजाय उन्हें सुधार का मौका देना है। वहीं, शिक्षकों और अन्य जिम्मेदार अधिकारियों के लिए यह चेतावनी भी है कि वे परीक्षा व्यवस्था को सही तरीके से लागू करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम शिक्षा प्रणाली में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे छात्रों के मानसिक तनाव में कमी आएगी और शिक्षकों और परीक्षा केंद्र कर्मचारियों की जिम्मेदारी बढ़ेगी। बोर्ड ने कहा कि भविष्य में भी ऐसी घटनाओं की रोकथाम के लिए सख्त निगरानी और आवश्यक कार्रवाई जारी रहेगी।इस तरह, यूपी बोर्ड ने नकल रोकने और परीक्षा निष्पक्षता बनाए रखने के लिए छात्रों पर दंड को सीमित रखते हुए, शिक्षक और अन्य जिम्मेदारों पर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की नीति अपनाई है। यह निर्णय 2026 की परीक्षाओं के दौरान हुई घटनाओं के बाद लिया गया है और इसका उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों दोनों के हित में एक संतुलित प्रणाली बनाना है।

JEE Main Result 2026:

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (NTA) ने जेईई मेन 2026 सत्र-1 परीक्षा का परिणाम आधिकारिक रूप से जारी कर दिया है। एजेंसी ने अंतिम उत्तर कुंजी के साथ परिणाम का विस्तृत पीडीएफ भी प्रकाशित कर दिया है। अभ्यर्थी अब आधिकारिक वेबसाइट jeemain.nta.nic.in पर जाकर अपना स्कोर देख सकते हैं। जारी परिणाम के अनुसार, इस बार 12 अभ्यर्थियों ने 100 पर्सेंटाइल स्कोर हासिल किया है। यानी इन उम्मीदवारों ने परीक्षा में सर्वाधिक संभव अंक प्राप्त किए हैं। पेपर-1 (बीई/बीटेक) में 12 अभ्यर्थियों ने 100 एनटीए स्कोर (पर्सेंटाइल) हासिल किया। संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE Main) 2026 सत्र-1 (जनवरी) के पेपर-1 (बीई/बीटेक) का परिणाम घोषित हो चुका है। परीक्षा 21, 22, 23, 24 और 28 जनवरी 2026 को आयोजित की गई थी। यह परीक्षा देश के 326 शहरों के 658 केंद्रों पर हुई, जिनमें विदेश के 15 शहर भी शामिल रहे।

परीक्षा कंप्यूटर आधारित टेस्ट (CBT) मोड में 13 भाषाओं में आयोजित की गई, जिनमें हिंदी, अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, मराठी, गुजराती, कन्नड़, उर्दू समेत अन्य भाषाएं शामिल रहीं।

सुपर 8 में टीम इंडिया की वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से होगी टक्कर

बटलर बने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाले पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज

इंग्लैंड के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नया अध्याय लिख दिया। वह इस फॉर्मेट में 4000 रन तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज बन गए। यह उपलब्धि उन्होंने टी20 विश्वकप 2026 में स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले के दौरान हासिल की। जोस बटलर ने स्कॉटलैंड के खिलाफ मुकाबले में 4000 टी20 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे कर इतिहास रच दिया। वह ऐसा करने वाले पहले विकेटकीपर-बल्लेबाज और पहले अंग्रेज बने। 150वें मैच में हासिल की गई यह उपलब्धि उनके शानदार और लगातार प्रभावशाली करियर की बड़ी पहचान बन गई। मैच से पहले बटलर को इस खास मुकाम तक पहुंचने के लिए महज तीन रन चाहिए थे। दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर उन्होंने यह आंकड़ा छू लिया। खास बात यह रही कि यह उनके करियर का 150वां टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी था। वह इंग्लैंड के इकलौते और दुनिया के पांचवें खिलाड़ी बने, जिन्होंने 150 या उससे ज्यादा टी20I खेले हैं। इस सूची में आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग सबसे आगे हैं।बटलर टी20 अंतरराष्ट्रीय में 4000 रन बनाने वाले चौथे खिलाड़ी हैं और इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले पहले अंग्रेज बने। उनसे पहले विराट कोहली, रोहित शर्मा और बाबर आजम यह कारनामा कर चुके हैं। कोहली ने सबसे पहले 2022 में 4000 रन का आंकड़ा छुआ था।

पाकिस्तान की सुपर-8 में जगह खतरे में, नामीबिया के खिलाफ जीत जरूरी;

ग्रुप-ए में रविवार को 2 मैच खेले गए। अमेरिका ने नामीबिया को 31 रन से हराया। वहीं भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। 6 पॉइंट्स के साथ टीम इंडिया टॉप पर है और सुपर-8 में भी एंट्री कर ली। वहीं अमेरिका 4 पॉइंट्स लेकर नंबर-2 पर पहुंच गई, टीम के सभी मैच खत्म हो गए। पाकिस्तान के भी 4 ही पॉइंट्स हैं, लेकिन खराब रन रेट के कारण टीम तीसरे नंबर पर है। उनका आखिरी मैच नामीबिया से है, टीम तीनों मुकाबले हारकर बाहर हो चुकी है। हालांकि, नामीबिया ने अगर पाकिस्तान को हरा दिया तो टीम 2009 की चैंपियन को ग्रुप स्टेज से ही बाहर कर देगी। ग्रुप-बी की सिचुएशन इस समय सबसे ज्यादा मजेदार है। 2021 की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को जिम्बाब्वे के खिलाफ हार मिली। इस हार से टीम के समीकरण गड़बड़ा गए। अब उन्हें सुपर-8 में जगह पक्की करने के लिए आज श्रीलंका को हराना ही होगा। अगर होम टीम जीत गई तो उनका क्वालिफिकेशन कन्फर्म हो जाएगा।

राशिद खान ने रचा इतिहास,

700 टी20 विकेट पूरे करने वाले पहले गेंदबाज बने

टी20 विश्व कप 2026 का 28वां मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान और यूएई के बीच खेला गया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए यूएई ने 20 ओवर में नौ विकेट पर 160 रन बनाए। जवाब में अफगानिस्तान ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 162 रन बनाए और पांच विकेट से मुकाबला अपने नाम कर लिया। ग्रुप डी में शामिल अफगानिस्तान की यह मौजूदा टूर्नामेंट में पहली जीत है। इससे पहले उसे अफगानिस्तान को शुरुआती दोनों मैचों में हार का सामना करना पड़ा था। इस जीत के साथ अफगानिस्ता ने सुपर-8 की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा है। इस मैच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने अपने चार ओवर के स्पैल में सिर्फ 24 रन खर्च किए और एक विकेट हासिल किया। मुहम्मद अरफान को आउट करते ही राशिद टी20 में 700 विकेट पूरे करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। बता दें कि, राशिद पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में 191 विकेट के साथ सर्वाधिक विकेट हासिल करने वाले गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं। दूसरे और तीसरे स्थान पर क्रमश: न्यूजीलैंड के टिम साउदी (164) और ईश सोढ़ी (162) मौजूद हैं। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने सोमवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ मुकाबले में इतिहास रच दिया। वह टी20 प्रारूप में 700 विकेट हासिल करने वाले पहले गेंदबाज बन गए। राशिद पहले ही इस प्रारूप में सबसे ज्यादा विकेट हासिल करने वाले गेंदबाज थे, लेकिन अब उन्होंने 700 विकेट का आंकड़ा छू लिया है।

दिल्ली के लुटियंस में बिक रहा घर

हज़ारों करोड़ का घर, सुर्खियों में आया शख्स

यह घर मनुजेंद्र शाह साहिब बहादुर का है. इस घर को टिहरी हाउस के नाम से भी जाना जाता है. अब मनुजेंद्र शाह अपने इस घर को बेच रहे हैं. मनुजेंद्र शाह को कारों का शौक है. इसलिए उनके पास कारों का एक बड़ा बेड़ा है.

मनुजेंद्र शाह टिहरी गढ़वाल रियासत के महाराज है (Photo - Instagram/@Manujendra Shah)

दिल्ली के लुटियंस इलाके में स्थित एक शानदार हवेली की डील इन दिनों चर्चा में है. इस प्रॉपर्टी को 1000 करोड़ में बेचा जा रहा है. भगवान दास रोड के प्लॉट नंबर 5 पर 3.2 एकड़ में फैली यह प्रॉपर्टी किसी आम आदमी की नहीं बल्कि एक राजा की है. इनका नाम मनुजेंद्र शाह साहिब बहादुर है. इस घर को टिहरी हाउस के नाम से भी जाना जाता है. क्योंकि, इस घर के मालिक मनुजेंद्र शाह टिहरी-गढ़वाल स्टेट के महाराजा हैं. अब मनुजेंद्र शाह अपने इस घर को बेच रहे हैं. मनुजेंद्र शाह को कारों का शौक है. इसलिए उनके पास कारों का एक बड़ा बेड़ा है. इसमें बीएमडब्लू, पोर्श से लेकर कई विंटेज कारें शामिल हैं. यही वजह है कि वह देश-विदेश में आयोजित होने वाली कार रैलियों में शामिल होते हैं.

साथ ही कार रैलियों का आयोजन भी करते रहे हैं. इसके अलावा भी वह कई एलीट क्लब और सोसाइटी के स्थायी मेंबर हैं. मनुजेंद्र शाह अपनी शाही लाइफ और शान-शौकत के लिए जाने जाते हैं. मनुजेंद्र शाह की पत्नी माला राज्य लक्ष्मी शाह हैं.

माला राज्य लक्ष्मी शाह टिहरी से सांसद हैं. दिल्ली के भगवान दास रोड स्थित हवेली के अलावा भी मनुजेंद्र शाह के पास कई आलीशान बंग्ले हैं. इनमें नरेंद्र नगर पैलेस, आनंदा और नरेंद्र नगर में रिज हाउस जैसी शाही संपत्तियां शामिल हैं. मनुजेंद्र शाह के पिता मानवेंद्र शाह टिहरी के अंतिम नरेश थे.मानवेंद्र शाह भी टिहरी से कई बार सांसद रहे. अब उनकी पॉलिटिकल विरासत उनकी बहु माला राज्य लक्ष्मी शाह संभाल रही हैं. वह टिहरी गढ़वाल से बीजेपी की सांसद हैं. दिल्ली स्थित मनुजेंद्र शाह की हवेली, जिसे टिहरी हाउस के नाम से भी जाना जाता है. ⊙

सांप की कुंडली से निकला 'साइक्लोन'

सना जैदी, आजतक

क्या आप जानते हैं कि आज दुनिया भर में इस्तेमाल होने वाला शब्द "साइक्लोन" भारत में ही जन्मा है? यह सच है... 19वीं सदी में एक अंग्रेज़ शख्स ने भारत में रहते हुए साइक्लोन नाम को गढ़ा, और इसके पीछे ग्रीक भाषा का एक शब्द है cy-clos, जिसका मतलब है सांप की कुंडली जैसा. यह कहानी है हेनरी पिडिंगटन की. जो एक ब्रिटिश जहाज के कप्तान थे. उन्होंने भारत और चीन के बीच समुद्र में बहुत यात्राएं कीं. ⊙

वैलेंटाइन डे से पहले वायरल हो रहे पोस्टर

जहां मिलेंगे बाबू सोना तोड़ देंगे कोना-कोना

आज वैलेंटाइन डे है. प्यार का इजहार करने का दिन. दुनिया भर के प्रेमियों के लिए यह खास मौका माना जाता है. हर साल की तरह इस बार भी 14 फरवरी को लेकर हलचल तेज है. लेकिन माहौल एक जैसा नहीं है. एक तरफ वे लोग हैं, जो इस दिन का बेसब्री से इंतजार करते हैं. दूसरी ओर ऐसे लोग भी हैं, जो इसका खुलकर विरोध कर रहे हैं. संस्कृति की रक्षा के नाम पर कई जगहों पर वैलेंटाइन डे के खिलाफ आवाज उठाई जा रही है. कुछ समूहों की ओर से इसे मनाने वालों को चेतावनी भी दी जा रही है. सोशल मीडिया पर भी बहस छिड़ी हुई है.विरोध के नारे तेजी से वायरल हो रहे हैं. मीडिया

रिपोर्ट्स के अनुसार, पटना में वैलेंटाइन डे से पहले 'बाबू-सोना' लिखे पोस्टर लगाए गए हैं. इन पोस्टरों में चेतावनी भरे शब्द लिखे हैं-जहां मिलेंगे बाबू-सोना, तोड़ देंगे कोना-कोना. साथ ही यह भी लिखा गया है कि 14 फरवरी को 'बाबू-सोना' नहीं, बल्कि पुलवामा के शहीदों को नमन किया जाए. बताया जा रहा है कि ये पोस्टर हिंदू शिवभवानी सेना के नाम से लगाए गए हैं. ⊙

कभी ऑस्ट्रेलिया के कुख्यात अपराधियों का था घर

जेल जाने की चाहत में हज़ारों देते हैं लोग

जेल में भी कोई रात गुजारना चाहेगा... ये बात गले से नीचे नहीं उतरती है. मगर, ऑस्ट्रेलिया में दुनिया की सबसे खतरनाक जेलों में से एक में लोग पैसे देकर रात गुजराने आते हैं. हम इसे पागलपन समझ सकते हैं, लेकिन माजरा कुछ और ही है. डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया में दुनिया की सबसे कुख्यात जेलों में से एक एचएम प्रिजन पेंट्रिज में लोगों को एक रात गुजारने के लिए कम से कम 28 हजार रुपये खर्च करना पड़ता है.

क्योंकि, इसे एक आलीशान पांच सितारा होटल में बदल दिया गया है. यह जेल कभी ऑस्ट्रेलिया के कुछ सबसे कुख्यात अपराधियों का घर था. इसमें रोनाल्ड जोसेफ रयान और मार्क 'चॉपर' रीड जैसे अपराध

गिरोह के सदस्य भी सजा काट चुके हैं, जो ऑस्ट्रेलिया में फांसी पर लटकाए जाने वाला आखिरी अपराधी थे.

यहां आने वाले मेहमान अब उन्हीं हॉलों और कमरों में ठहर सकते हैं, जहां कभी अपराधी घूमते थे. इन कमरों का किराया AU$449.00 (£232) यानी 28 हजार रुपये प्रति रात से शुरू होती है. इस जेल के बीचोंबीच एक आलीशान अंडरग्राउंड स्विमिंग पूल है. इसे बनाने में तीन महीने लग गए, क्योंकि इसका निर्माण इस ऐतिहासिक जेल की संरचना से बिना छेड़छाड़ किए किया गया.

इस जेल को एक 5 स्टार होटल में इतनी खूबसूरती से तब्दील किया गया है, जिससे जेल की पुरानी संरचना भी बरकरार है और अंदर पांच सितारा वाली सारी लग्जरी भी मौजूद है. ⊙

फिल्म 'जय सोमनाथ' का ऐलान

संजय लीला भंसाली और केतन मेहता की जोड़ी लौट आई एक साथ:

भारतीय सिनेमा की दो प्रमुख क्रिएटिव ताकतें, फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली और केतन मेहता, अब एक साथ मिलकर एक ऐतिहासिक फिल्म लेकर आ रहे हैं। उन्होंने फिल्म 'जय सोमनाथ' का ऐलान किया है, जो भारतीय सभ्यता और इतिहास की एक महत्वपूर्ण घटना पर आधारित है। यह मिलन दर्शकों के लिए खास इसलिए भी है क्योंकि भंसाली अपनी भव्य और बड़े पर्दे पर जादुई दुनिया बनाने की शैली के लिए मशहूर हैं, जबकि केतन मेहता अपनी बेबाक कहानियों, ऐतिहासिक विजन और इंटरनेशनल स्तर की फिल्मों के लिए जाने जाते हैं।फिल्म 'जय सोमनाथ' की कहानी हमें 1025–1026 ईस्वी के उस ऐतिहासिक दौर में ले जाएगी, जब महमूद गजनी ने गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर हमला किया और इसे लूटा। यह इतिहास का ऐसा अध्याय है जो विनाश के बाद फिर से उठने की ताकत और भारतीय सभ्यता के गौरव को दर्शाता है। इस साल इस हमले और मंदिर के विध्वंस को 1000 साल पूरे हो रहे हैं, और इस फिल्म के जरिए यह संदेश दिया जाएगा कि भारत की हिम्मत कभी टूटी नहीं और हमारी सभ्यता हमेशा गर्व का प्रतीक रही।भंसाली और मेहता का साथ इस फिल्म को विशेष बनाता है। भंसाली की शैली हमेशा भव्य सेट, संगीत और सिनेमाई जादू पर आधारित रही है, जबकि मेहता की फिल्मों में ऐतिहासिक सटीकता और कहानी की गहराई देखने को मिलती है। इस सहयोग से फिल्म में इतिहास की गंभीरता और बड़े पैमाने की सिनेमाई प्रस्तुति दोनों ही देखने को मिलेंगे।फिल्म का निर्माण भंसाली प्रोडक्शंस और माया मूवीज (केतन मेहता की प्रोडक्शन कंपनी) के बैनर तले किया जा रहा है। फिल्म दर्शकों को उस दौर की भव्यता, संघर्ष और भारतीय सभ्यता की स्थायित्व की कहानी बड़े पर्दे पर दिखाने का वादा करती है। अब तक इस गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व वाली घटना पर किसी भी फिल्म में काम नहीं किया गया है। "केतन मेहता ने भी कहा कि "जय सोमनाथ सिर्फ इतिहास की कहानी नहीं है, यह हमारी सभ्यता, हमारी संस्कृति और हमारी ताकत की कहानी है। इसे बड़े पर्दे पर जीवंत करना हमारे लिए गर्व की बात है।"फिल्म साल 2027 में बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली है और उम्मीद जताई जा रही है कि यह दर्शकों को ऐतिहासिक घटनाओं के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सिनेमा के दृष्टिकोण से भी एक यादगार अनुभव देगी।इस ऐतिहासिक और भव्य फिल्म के जरिए भंसाली और मेहता भारतीय सिनेमा में एक नए स्तर की कहानी कहने की कोशिश कर रहे हैं, जो न केवल इतिहास को याद दिलाएगी, बल्कि दर्शकों को भावनात्मक रूप से भी जोड़ने का प्रयास करेगी।

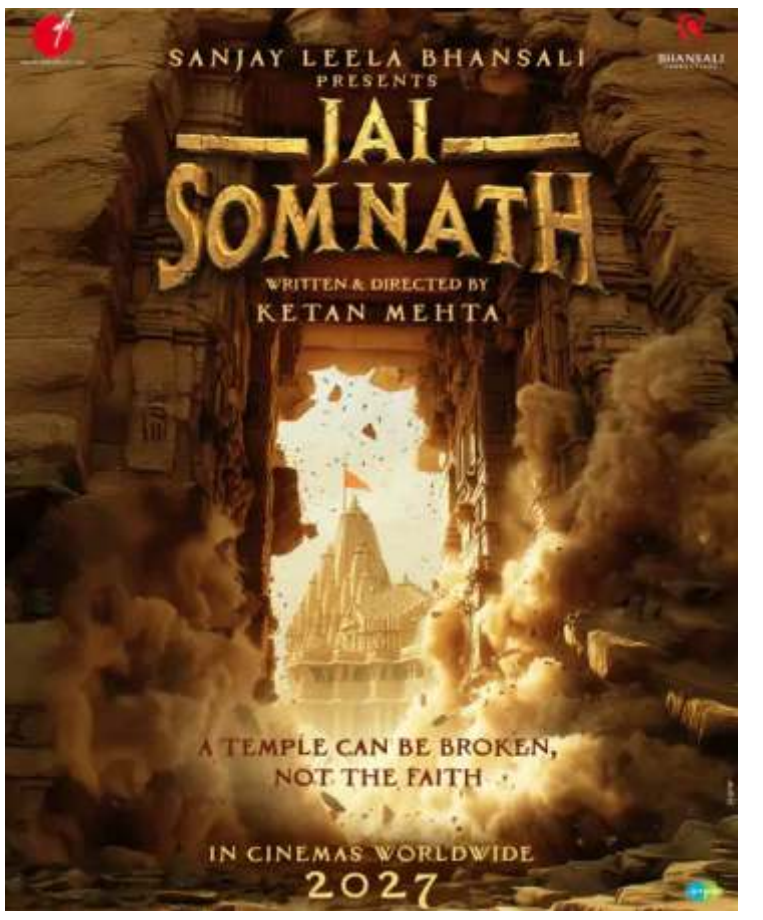

अखिलेश यादव ने भाजपा पर वोट कटवाने और फर्जी वोट बनाने की

साजिश का आरोप लगाया

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के मद्देनज़र सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर फॉर्म-7 के जरिए वोट कटवाने और फर्जी वोट बनाने का आरोप लगाया है।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर गुप्त बैठक कर सपा का वोट कटवाने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विशेष पुनरीक्षण के दौरान फॉर्म-7 के जरिए पीडीए और अल्पसंख्यक वोटरों को निशाना बनाया जा रहा है। अखिलेश ने चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी कार्यालय में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान भाजपा पीडीए और खासकर अल्पसंख्यकों के वोट कटवाने की साजिश कर रही है। फॉर्म-7 के जरिये भाजपा वोटों की चोरी कर रही है। आयोग कार्रवाई नहीं कर रहा है। भाजपा सरकार वोट काटकर चुनाव जीतना चाहती है। सपा प्रमुख का दावा है कि बीजेपी की एक गुप्त बैठक में यह तय किया गया था कि हर विधानसभा में वोट कटवाए जाएंगे। उन्होंने कन्नौज का जिक्र करते हुए कहा कि वहां के एक नेता ने भी बयान दिया था कि ज्यादा पढ़ा-लिखा कभी-कभी गलती कर देता है। भाजपा को ये बात पता है कि इस बार यूपी का चुनाव वो जीत नहीं रहे हैं। इसलिए वो ऐस हरकत कर रहे हैं। कैसे सामने वाला का वोट काटें। लेकिन जनता सब जानती है। हर बात का जवाब देगी। हम भी शांत नहीं रहेंगे। वोट में घोटाला होने नहीं देंगे। सकलडीहा विधानसभा में फॉर्म 7 के 16 आवेदन जमा किए गए। वहीं बाबागंज विधानसभा के बूथ नंबर 365 पर फर्जी हस्ताक्षर कर फॉर्म 7 भरकर करीब 100 वोट कटवा दिए गए। हमारे एक बीएलए का भी वोट कटवा दिया गया। यह सीधी साजिश है, जिसमें असली वोटरों के नाम हटाने की कोशिश हो रही है। अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि औरैया नगर अध्यक्ष का नाम भी मतदाता सूची से हटा दिया गया। इतना ही नहीं, बलिया के सिकंदरपुर से सपा विधायक की पत्नी का नाम भी कटवा दिया गया। हमारे ही वोटर से नगर अध्यक्ष का काम कटवा दिया गया। यह सब विपक्ष को उलझाए रखने की रणनीति है। अयोध्या का उदाहरण देते हुए कहा कि एक बूथ पर 181 नोटिस जारी हुए, जिनमें से 76 प्रतिशत पीडीए समाज को मिले। 46 प्रतिशत नोटिस यादव और मुस्लिम समुदाय के लोगों को दिए गए। अयोध्या में सपा ने 47 फॉर्म 7 भरे, जबकि बीजेपी ने करीब एक हजार आवेदन दिए। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अभी तक जिस एसआईआर से पूरा देश परेशान था अब उससे भाजपा के लोग परेशान हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने एक करोड़ वोट बढ़वाया है। ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए।अखिलेश यादव प्रदेश में एसआईआर के बाद राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी की गई कच्ची मतदाता सूची पर बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि वोट बढ़ाने का बीजेपी के लोग दवाब बनाएंगे क्योंकि उनका वोट कट गया है। उन्होंने फर्जी वोट बनाए थे। इसका मतलब फर्जी वोट डाले गए हैं और सबसे ज्यादा वोट बीजेपी के बूथों पर निकले हैं। जिस एसआईआर से ये पूरे देश को परेशान कर रहे थे मैं उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करना चाहता हूं आज एसआईआर से बीजेपी परेशान है और इसलिए गुपचुप बैठक कर रहे हैं।

इंडो-अमेरिका ट्रेड डील के खिलाफ किसानों का प्रदर्शन: लखनऊ डीएम कार्यालय पहुंचे

इंडो-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में लखनऊ के किसानों ने जोरदार प्रदर्शन किया और डीएम कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगों को प्रशासन के सामने रखा। किसानों का कहना है कि नए व्यापार समझौते के कारण कृषि और दुग्ध क्षेत्र प्रभावित हो सकते हैं, जिससे छोटे किसानों की आजीविका खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इस समझौते में कृषि और दुग्ध उत्पादों को शामिल नहीं किया जाना चाहिए।प्रदर्शनकारियों ने अपने प्रस्तावित फॉर्मेट और ज्ञापन डीएम कार्यालय में सौंपा और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की अपील की। किसानों का कहना था कि समझौते में विदेशी उत्पादों की बढ़ती पहुंच से स्थानीय उत्पादन और किसानों की आमदनी पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।डीएम कार्यालय ने प्रदर्शनकारियों को शांति बनाए रखने और अपने मुद्दों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का आग्रह किया। प्रशासन ने इस मामले में केंद्र सरकार और संबंधित विभागों से संवाद के जरिए किसानों की चिंता का समाधान करने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन ने किसानों और सरकार के बीच ट्रेड डील को लेकर चिंताओं को उजागर किया और स्थानीय स्तर पर कृषि सुरक्षा की महत्ता को भी सामने लाया।

जमीन विवाद ने पकड़ा राजनीतिक रंग,

विधायक बेदी राम और प्रॉपर्टी डीलर आमने-सामने

जमीन से जुड़ा एक विवाद अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनता जा रहा है। मामले में स्थानीय विधायक बेदी राम और प्रॉपर्टी डीलर तारा सिंह बिष्ट आमने-सामने आ गए हैं। दोनों पक्षों की ओर से लगाए गए आरोपों के बाद यह विवाद सियासी बहस का केंद्र बन गया है।विधायक बेदी राम का आरोप है कि प्रॉपर्टी डीलर तारा सिंह बिष्ट ने उनसे अभद्र व्यवहार किया। उन्होंने कहा कि वे एक दलित विधायक हैं और इसी कारण उनके साथ अपमानजनक तरीके से बात की गई। बेदी राम ने इस मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए कहा कि सच्चाई सामने आनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।वहीं, दूसरी ओर प्रॉपर्टी डीलर की तरफ से भी अपने दावे पेश किए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जमीन के स्वामित्व और लेन-देन को लेकर दोनों पक्षों में विवाद उत्पन्न हुआ, जिसने बाद में राजनीतिक रूप ले लिया।घटना के बाद स्थानीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और संबंधित दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है। राजनीतिक दल भी इस मुद्दे पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।अब सबकी नजर जांच पर टिकी है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि जांच में किस पक्ष के दावे सही साबित होते हैं और प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है। मामले को लेकर क्षेत्र में पंचायत और सामाजिक संगठनों की बैठकों का दौर भी शुरू हो गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर की जाएगी, ताकि किसी भी तरह की अफवाहों पर विराम लगाया जा सके।

सऊदी अरब में आग से झुलसे लखनऊ के युवक की मौत, 7 मार्च को घर लौटने वाला था

सऊदी अरब में लखनऊ का रहने वाला एक युवक आग से झुलसने के 15 दिन बाद दम तोड़ गया। युवक की मौत की खबर ने उसके परिवार और समुदाय में गहरा शोक फैला दिया है। जानकारी के अनुसार, युवक 7 मार्च को अपने घर लौटने वाला था, लेकिन दुर्भाग्यवश गंभीर चोटों के चलते उसकी जान नहीं बच सकी।परिवार ने बताया कि युवक सऊदी अरब में काम कर रहा था और हादसा काम के दौरान हुआ। आग लगने के कारण उसे तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार चल रहा था। अस्पताल प्रशासन ने भी गंभीर स्थिति के चलते हर संभव प्रयास किए, लेकिन अंततः युवक की मौत हो गई।इस दुखद घटना की सूचना मिलते ही लखनऊ के परिजन और स्थानीय प्रशासन भी परिजनों के संपर्क में हैं। भारतीय दूतावास और संबंधित अधिकारियों ने शव के भारत लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि परिजन उसे अंतिम संस्कार के लिए ला सकें।स्थानीय लोग और परिजन युवक की असामयिक मौत से स्तब्ध हैं। युवक के जाने से परिवार में खालीपन छा गया है। यह घटना विदेशी रोजगार में जोखिम और सुरक्षा के महत्व को भी उजागर करती है।

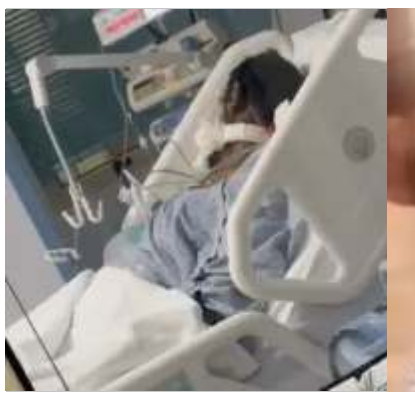

लखनऊ में भाई के साथ मिलकर गैंग बनाया, बंद मकानों को बनाते थे निशाना

लखनऊ में PAC दीवान का बेटा भाई के साथ गैंग बनाकर बंद मकानों में चोरी करता था। पुलिस ने चार युवकों को गिरफ्तार कर अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। आरोपी बंद मकानों का पता लगाकर कई दिनों तक उनकी रेकी करते थे। चोरी को अंजाम देने के बाद माल को बिहार ले जाकर बेच देते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से चोरी की एक एयर गन और सामान बरामद किया है। डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया- आरोपियों की पहचान सोनू सिंह, शक्तिमान सिंह और सोनू कुमार शाह उर्फ सोनू पहाड़ी के रूप में हुई है। यह सभी बिहार के रहने वाले हैं। इनमें गैंग के सरगना सोनू और शक्तिमान भाई हैं। चौथा आरोपी बृजेश निषाद फतेहपुर जिले के खागा थाना क्षेत्र के किशनपुर रम सगरा का रहने वाला है। आरोपी सोनू सिंह पर पहले से नौ मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी बंद पड़े मकानों को चिन्हित कर उन पर कई दिनों तक निगरानी रखते थे। जब विश्वास हो जाता था कि मकान में लंबे समय से कोई नहीं रह रहा है, तब वे योजनाबद्ध तरीके से रात के समय ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाते थे।

लखनऊ कोर्ट को ई-मेल धमकी:

पुलिस ने पूरे परिसर में चलाया सघन चेकिंग अभियान

सोमवार सुबह लखनऊ कोर्ट को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया। सूचना मिलते ही वजीरगंज थाना पुलिस, डॉग स्क्वॉड और बम स्क्वॉड तत्काल कोर्ट परिसर में पहुंचे और सुरक्षा जांच शुरू की। अधिकारियों ने बताया कि पूरी कोर्ट परिसर की त्वरित निगरानी और सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। जांच के दौरान किसी भी संदिग्ध वस्तु या व्यक्ति का पता नहीं चला, लेकिन सुरक्षा को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरती गई।सूत्रों के अनुसार, यह धमकी ई-मेल के जरिए आई थी, जिसमें कोर्ट और वहां मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों को निशाना बनाने की चेतावनी दी गई थी। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए साइबर टीम को भी मामले में लगाया है, ताकि ई-मेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान की जा सके। धमकी मिलने के तुरंत बाद ही कोर्ट परिसर में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई और प्रवेश द्वार पर सघन चेकिंग की गई।यह कोई पहली घटना नहीं है। शुक्रवार को भी कोर्ट परिसर में सुरक्षा जांच और चेकिंग अभियान चलाया गया था। इसके तहत प्रवेश कर रहे व्यक्तियों और वाहनों की जाँच की गई थी। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की घटनाओं के मद्देनज़र कोर्ट परिसर में सुरक्षा मानक और बढ़ा दिए गए हैं और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों या सोशल मीडिया पर वायरल होने वाली जानकारी पर विश्वास न करें और अगर किसी संदिग्ध गतिविधि या वस्तु का पता चले तो तुरंत सुरक्षा अधिकारियों को सूचित करें। इस बीच, कोर्ट प्रशासन और पुलिस लगातार मामले की गहन छानबीन कर रही हैं और धमकी भेजने वाले अपराधी की पहचान कर कार्रवाई करने की पूरी कोशिश की जा रही है।

रोहित शेट्टी बंगले फायरिंग केस:

चार आरोपी पकड़े गए

हाल ही में बॉलीवुड फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के जुहू (मुंबई) स्थित घर के बाहर हुई फायरिंग और धमकी देने वाले गंभीर घटना में पुलिस ने आरोपियों को उठाने की कार्रवाई तेज कर दी है। इस मामले में देश भर में चल रही जांच-पड़ताल में उत्तर प्रदेश और हरियाणा से कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से एक प्रमुख आरोपी आगरा से गिरफ्तार हुआ है और बाकी आरोपी हरियाणा और नोएडा से पकड़े गए हैं। पुलिस ने इस आपराधिक साजिश में शामिल विष्णु नाम के आरोपी को आगरा के थाना बाह क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि वह इसी क्षेत्र का स्थानीय रहने वाला है और फायरिंग की घटना में उसकी भूमिका है। वहीं, ऋतिक यादव, सनी और सोनू नामक तीन आरोपियों को हरियाणा के बाहादुरगढ़ से पकड़ा गया है। इस दौरान पुलिस ने उनके पास एक मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। एक अन्य आरोपी दीपक को नोएडा के सेक्टर-45, सदरपुर निवासी बताया जा रहा है, जिसे संयुक्त अभियान के तहत हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक इन चारों को मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच और हरियाणा एसटीएफ की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 109, संगठित अपराध से संबंधित एमपी एक्ट की धाराएँ और शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला तब सामने आया जब 31 जनवरी 2026 की रात लगभग 12:45 बजे, रोहित शेट्टी के जुहू स्थित बंगले के बाहर कुछ हमलावरों ने कम से कम पाँच राउंड फायरिंग की थी, जिससे घर के जिम के शीशे तक क्षतिग्रस्त हो गए थे। इस फायरिंग को पुलिस ने अनिश्चित व्यक्ति द्वारा की गई पहली हमला के रूप में दर्ज किया था। बाद में जांच में पता चला कि यह एक भयभीत करने और रंगदारी मांगने की साजिश थी, जिसका मकसद फिल्म उद्योग में खौफ फैलाना था। पुलिस सूत्रों ने बताया कि इस पूरे मामले के पीछे लॉरेंस बिश्नोई गैंग की भूमिका होने का शक है। शुरुआती पूछताछ में यह बात सामने आई है कि फायरिंग में शामिल आरोपियों ने इस गैंग से जुड़े कुछ बड़े नामों से संपर्क रखा था और उन्हीं के निर्देशन के तहत यह वारदात को अंजाम दिया गया था।

अफेयर के शक में शिक्षामित्र ने पत्नी की गोली मारकर हत्या, पति गिरफ्तार

उन्नाव में पत्नी की गोली मारकर हत्या करने के आरोप में पति ओमकार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने प्रेम प्रसंग के शक में एक सुनियोजित साजिश रचकर इस वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त 315 बोर का अवैध तमंचा भी बरामद किया है। यह घटना 28 जनवरी 2026 की है, जब गोकुलपुर गांव में 38 वर्षीय शिक्षामित्र श्रीकांति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पिता ओमकार पुत्र स्व. कृपाशंकर निवासी गोकुलपुर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले के खुलासे के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया और गहन जांच व पूछताछ शुरू की गई। जांच के दौरान संदेह की सुई स्वयं वादी ओमकार पर ही घूम गई। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक फूल सिंह ने पुलिस बल के साथ आरोपी ओमकार को 16 फरवरी 2026 को लालाखेड़ा चौराहे से गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर गांव के पास एक तालाब से 315 बोर का तमंचा बरामद किया गया। बरामदगी के बाद मुकदमे में धारा 3/25/27 आर्म्स एक्ट की बढ़ोतरी की गई।पूछताछ में आरोपी ओमकार (42) ने बताया कि उसकी पत्नी के पास एक मोबाइल फोन था, जिससे वह किसी व्यक्ति से बात करती थी। उसे अपनी पत्नी के अवैध संबंधों का शक था। उसने कई बार मोबाइल छीनने और समझाने का प्रयास किया, लेकिन पत्नी ने इसका विरोध किया। इसी बात से वह आक्रोशित हो गया और उसने पत्नी की हत्या की योजना बना ली।

वाराणसी में शंटिंग ऑपरेशन के दौरान शिवगंगा एक्सप्रेस की दो बोगियां बेपटरी

सोमवार सुबह वाराणसी के बनारस (मंडुआडीह) स्टेशन पर शंटिंग ऑपरेशन के दौरान शिवगंगा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22917/22918) की दो खाली बोगियां पटरी से उतर गईं। जानकारी के अनुसार, ट्रेन का खाली रैक मेंटेनेंस और वाशिंग लाइन के लिए ले जाया जा रहा था।घटना के दौरान किसी भी यात्री की चोट की खबर नहीं है क्योंकि बोगियां खाली थीं। प्रारंभिक जांच में शंटिंग इंजन, सिग्नलिंग तकनीकी खराबी या ऑपरेशनल लापरवाही की संभावना जताई जा रही है। रेलवे अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बोगियों को पटरी पर लगवाने और जांच शुरू करने का काम किया। स्टेशन पर यात्री ट्रेन संचालन प्रभावित नहीं हुआ। उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस घटना की उच्चस्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच में शंटिंग ऑपरेशन के दौरान हुई लापरवाही, सिग्नलिंग सिस्टम, ट्रैक की स्थिति और कर्मचारियों की भूमिका की जांच की जाएगी। रेलवे ने कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। घटना की सूचना मिलते ही वाराणसी मंडल के डीआरएम (डिवीजनल रेलवे मैनेजर) आशीष जैन खुद मौके पर पहुंचे। रेलवे के रिकवरी टीम, क्रेन और तकनीकी कर्मचारियों ने तुरंत राहत कार्य शुरू कर दिया। क्रेन की मदद से दोनों बोगियों को पटरी पर चढ़ाने का काम चालू किया गया। रेलवे के अनुसार, यह कार्य कुछ घंटों में पूरा हो गया और ट्रैक को सुरक्षित घोषित कर दिया गया। रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस घटना से किसी भी यात्री ट्रेन के संचालन पर कोई असर नहीं पड़ा। शिवगंगा एक्सप्रेस का रैक खाली था, इसलिए यात्रियों की सुरक्षा पर कोई खतरा नहीं था। स्टेशन पर सामान्य ट्रेनों का आवागमन जारी रहा। हालांकि, शंटिंग लाइन और वाशिंग लाइन के आसपास कुछ देर के लिए ऑपरेशन प्रभावित रहा, लेकिन मुख्य लाइन पर कोई रुकावट नहीं आई। रेलवे कर्मचारी यूनियनों ने अक्सर शंटिंग कार्य में कर्मचारियों की कमी और पुराने उपकरणों की समस्या उठाई है। इस घटना के बाद स्थानीय स्तर पर रेल सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। रेलवे अधिकारियों ने कर्मचारियों को फिर से ट्रेन शंटिंग और वाशिंग लाइन संचालन के लिए विशेष प्रशिक्षण देने की घोषणा की है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए शंटिंग ऑपरेशन के दौरान अतिरिक्त निगरानी और डबल चेक प्रणाली लागू की जाएगी। वहीं, यात्रियों और स्थानीय लोगों को विश्वास दिलाया गया कि रेलवे सुरक्षा मानकों का पालन कर रहा है और किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुरक्षा विशेषज्ञों ने सुझाव दिया है कि स्टेशन पर सीसीटीवी कैमरों और मॉनिटरिंग सिस्टम की संख्या बढ़ाई जाए ताकि शंटिंग और अन्य ऑपरेशन पर निरंतर नजर रखी जा सके। रेलवे प्रशासन ने कहा कि ट्रैक और शंटिंग इंजन की नियमित जांच का समयसीमा और प्रक्रिया अब और कड़ी की जाएगी। इसके अलावा, भविष्य में ट्रेन रैक को वाशिंग लाइन ले जाने से पहले सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने के लिए विशेष चेकलिस्ट बनाई जाएगी।

कानपुर में रिटायर फौजी ने पत्नी और बेटे की हत्या के बाद की खुदकुशी

कानपुर में दिल दहलाने वाला मामला सामने आया है। एक सेवानिवृत्त फौजी ने अपनी पत्नी, बेटे को गोली मार दी। इसके बाद खुद रेलवे ट्रैक पर जाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के तुलसियापुर गांव में सोमवार सुबह दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। सेवानिवृत्त फौजी 55 वर्षीय चेतराम पासवान ने अपनी 45 वर्षीय पत्नी सुनीता और 16 वर्षीय बेटे दीप को घर के अंदर गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद घर के मुख्य गेट पर बाहर से ताला डालकर करीब तीन किलोमीटर दूर कठोंगर गांव के पास भाऊ रेलवे ट्रैक पर पहुंचा और ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। मालगाड़ी के चालक ने सुबह 5:55 बजे आरपीएफ को शव ट्रैक पर पड़े होने की सूचना दी थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की तो पास में एक बाइक मिली। बाइक का नंबर हंसपुरम स्थित आवास विकास कॉलोनी के पते पर दर्ज था। इसके आधार पर पुलिस घर पहुंची, जहां अंदर पत्नी और बेटे के शव पड़े मिले। पुलिस के अनुसार घटना में डबल बैरल बंदूक का प्रयोग किया गया। पत्नी को एक गोली और बेटे को दो गोली मारी गई। एक कारतूस बंदूक में फंसा मिला। पुलिस का अनुमान है कि पत्नी और बेटे की हत्या तड़के तीन से चार बजे के बीच की गई। घटना के बाद गांव बखरिया में चेतराम पर भारी कर्ज होने की चर्चा तेज हो गई। बड़े भाई रामबाबू ने बताया कि चेतराम पर कुछ लोगों का कर्ज था। इसके चलते उन्होंने करीब आठ-दस दिन पहले एक बीघा खेत 12 लाख रुपये में बेचा था। ग्रामीणों के मुताबिक करीब एक साल से उन पर कर्ज की बात सामने आ रही थी। हालांकि कर्ज के कारणों को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं, जिनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। चेतराम के पिता अयोध्या प्रसाद की हालत बिगड़ गई और वह कई बार अचेत हो गए। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि पारिवारिक विवाद और आर्थिक कारणों समेत सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी फुटेज और पड़ोसियों के बयानों को भी रिकॉर्ड करना शुरू कर दिया है ताकि घटना के पूरे घटनाक्रम का पता लगाया जा सके। प्रशासन ने गांव में शांति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस फोर्स तैनात कर दी है। स्थानीय समाजसेवकों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भी परिवार को सांत्वना दी और ग्रामीणों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें।

तुलसी घाट के सामने मोटरबोट और नाव की टक्कर:

वाराणसी में सोमवार को बड़ा हादसा सामने आया है। तुलसी घाट के सामने गंगा नदी में मोटरबोट और चप्पू से चलने वाली नाव की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि छोटी नाव गंगा में ही डूब गई। हालांकि उसमें शामिल सभी यात्रियों को बाहर निकाल लिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, परिवार ने अस्सी घाट से नाव बुक की थी। नाव में सवार लोग गंगा स्नान के लिए तुलसी घाट के सामने रेती की ओर जा रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार मोटरबोट ने सीधे आकर नाव में टक्कर मार दी। टक्कर के बाद नाव असंतुलित होकर पलट गई और कुछ ही पलों में गंगा में समा गई। नाव में कुल पांच लोग सवार थे।हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद नाविकों ने साहस दिखाते हुए पांच लोगों को पानी से बाहर निकाला। मौके पर जल पुलिस और पीएसी की टीम भी पहुंच गई और राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया।

गोविंद नगर के साई विला अपार्टमेंटमेभीषण आग:

गोविंद नगर स्थित साई विला अपार्टमेंट के 5वें फ्लोर में सोमवार तड़के मंदिर में जल रहा दीपक गिरने से फ्लैट में भीषण आग लग गई। कुछ ही देर में आग की लपटों ने कमरे में रखी लकड़ी की अलमारी और बिस्तरों को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में लपटें रूफ टॉप तक पहुंच गई। लपटें उठती देख इलाकाई लोगों ने गोविंद नगर पुलिस और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। जानकारी पर 3 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। चूहे की वजह से मंदिर में जल रहा दीपक गिर गया, जिससे लकड़ी की अलमारी में आग लग गई। कुछ ही देर में लपटों ने फ्लैट समेत रूफ टॉप को अपनी जद में ले लिया। ऊंची–ऊंची लपटें उठती देख इलाकाई लोगों ने फजलगंज स्थित मिनी कंट्रोल रुम में सूचना दी। जानकारी पर फजलगंज व किदवई नगर फायर स्टेशन से 3 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब एक घंटे बाद फायर कर्मियों ने आग पर काबू पाया।

डबल इंजन सरकार से बदला यूपी का चेहरा

उत्तर प्रदेश विधानसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ का विपक्ष पर हमला

यह बयान उस समय आया जब उत्तर प्रदेश विधानसभा और विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा चल रही थी। परंपरागत रूप से इस चर्चा के दौरान सरकार अपनी उपलब्धियों को गिनाती है और विपक्ष उन दावों पर सवाल उठाता है। क्षेत्र जल्द ही बड़े निवेश, रोजगार और तकनीकी सुविधाओं का केंद्र बनने के कगार पर है।

उत्तर प्रदेश विधानसभा और उत्तर प्रदेश विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष, विशेषकर समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने सपा पर गाजी मेले के समर्थन का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश सरकार आस्था के केंद्रों और तीर्थस्थलों के विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जबकि कुछ दल तुष्टिकरण की राजनीति में लगे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज तेजी से विकास की राह पर अग्रसर है। उन्होंने राज्य की बढ़ती जीडीपी का उल्लेख करते हुए कहा कि यूपी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। किसानों को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से पारदर्शी भुगतान किया जा रहा है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है।सीएम योगी ने 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट' (ओडीओपी) योजना और एमएसएमई सेक्टर के विस्तार को प्रदेश की आर्थिक मजबूती का आधार बताया। उन्होंने कहा कि इन पहलों के कारण स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान मिल रही है और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़े हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार को "डबल इंजन सरकार" बताते हुए कहा कि यही मॉडल विकास की गति को दोगुना कर रहा है।विधान परिषद में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष से सकारात्मक सहयोग की उम्मीद करना "बेवकूफी" है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में उत्तर प्रदेश अपराध का गढ़ बन गया था और कर्फ्यू यहां की पहचान बन चुका था।मुख्यमंत्री ने 'वंदे मातरम्' के 150वें वर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि यह देश के सम्मान और राष्ट्रभावना का प्रतीक है। उन्होंने विपक्षी दलों, विशेषकर सपा और कांग्रेस से सवाल किया कि वे राष्ट्रीय गीत का विरोध क्यों कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "इस देश में रहकर यदि कोई राष्ट्रीय गीत के सम्मान में खड़ा नहीं होता, तो यह दुर्भाग्यपूर्ण है।"मुख्यमंत्री के बयान के दौरान सदन में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। सत्ता पक्ष ने सरकार की उपलब्धियों को ऐतिहासिक बताया, जबकि विपक्ष ने सरकार के दावों पर सवाल उठाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति पहले की तुलना में कहीं अधिक सुदृढ़ हुई है। संगठित अपराध और माफिया के खिलाफ सरकार की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए उन्होंने दावा किया कि आज निवेशक उत्तर प्रदेश को सुरक्षित और भरोसेमंद राज्य के रूप में देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, एक्सप्रेस-वे, एयरपोर्ट और औद्योगिक कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं ने प्रदेश की तस्वीर बदली है।सीएम ने विपक्ष पर विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता सब देख रही है और जवाब भी देगी। उन्होंने दोहराया कि सरकार का लक्ष्य सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास सुनिश्चित करना है।

महोबा में जल जीवन मिशन की टंकी फटी, 65 लाख की परियोजना पर उठे सवाल

महोबा जिले के जैतपुर ब्लॉक के नागराडांग गांव में जल जीवन मिशन के तहत निर्मित पेयजल टंकी हादसे का शिकार हो गई। लगभग 65 लाख रुपये की लागत से तैयार की गई यह टंकी पानी भरते ही फट गई, जिससे हजारों लीटर पानी बह गया। घटना के बाद गांव में हड़कंप मच गया और ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिला।ग्रामीणों का कहना है कि टंकी का निर्माण हाल ही में पूरा हुआ था और अभी नियमित जलापूर्ति भी शुरू नहीं हुई थी। पानी भरते ही संरचना में दरार आई और देखते ही देखते टंकी फट गई। गनीमत रही कि हादसे के समय आसपास कोई मौजूद नहीं था, वरना बड़ा हादसा हो सकता था।इस घटना ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। ग्रामीणों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और जांच के आदेश देने की बात कही है। यदि निर्माण में लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जा सकती है।जिले में जल जीवन मिशन के तहत लगभग 900 करोड़ रुपये की लागत से काम चल रहा है। योजना 2024 तक पूरी होनी थी, लेकिन अब इसे 2026 तक बढ़ा दिया गया है। कई गांवों में पाइपलाइन डाल दी गई, लेकिन पानी अभी भी नहीं पहुंच रहा। जहां पानी पहुंच रहा है, वहां भी टंकी और पाइपलाइन की हालत खराब है।

श्रावस्ती में दिल दहला देने वाली वारदात: बेटे के सामने किसान की हत्या, जेवर लूटकर फरार हुए बदमाश

जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर भजोरे पुरवा गांव है। यहां किसान नेमराज पाठक (49) अपने बेटे सुनील और बहू लक्ष्मी के साथ रहते थे। उनकी पत्नी का पांच साल पहले निधन हो चुका है। नेमराज भाइयों में तीसरे नंबर पर थे। उनके दूसरे भाई गांव में ही रहते हैं। उन्होंने गांव से बाहर घर बनवा रखा था। बेटे की शादी करीब दो साल पहले हुई थी श्रावस्ती में बेटे के सामने बदमाशों ने घर में घुसकर किसान की हत्या कर दी। इसके बाद सोने-चांदी के जेवर लूटकर फरार हो गए। परिवार के मुताबिक, रविवार रात करीब 3 बजे चार नकाबपोश बदमाश घर में घुस आए। आहट सुनकर किसान की आंख खुल गई। उन्होंने शोर मचाया और बदमाशों से भिड़ गए। आवाज सुनकर बहू और बेटा भी जाग गए। बेटा दौड़कर कमरे में पहुंचा तो बदमाशों ने उसे पकड़ लिया। उसके सामने ही पिता पर चाकू से कई बार वार किए गए। यह देखकर बहू बेड के नीचे छिप गई। चारों बदमाशों के जाने के बाद महिला ने चिल्लाकर आसपास के लोगों को बुलाया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। फिलहाल पुलिस गांव के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाल रही है। घटना हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र की है।।

बदायूं में रफ्तार का कहर: बेकाबू बोलेरो ने 5 युवकों को रौंदा, 3 की मौत; आरोपी फरार

बदायूं में हिट एंड रन का मामला सामने आया है। यहां बेकाबू तेज रफ्तार बोलेरो ने 5 युवकों को रौंद दिया। इसमें से 3 की मौत हो गई। पहले उसने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मारी, फिर भागने के चक्कर में एक और युवक को कुचल दिया। इसमें से दो की मौत हो गई। इसके बाद आरोपी ने गाड़ी की रफ्तार और बढ़ा दी। करीब 20 मिनट बाद 18 किलोमीटर दूर एक और बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के वक्त बोलेरो की स्पीड 120 के आसपास थी। घटना के बाद आरोपी ने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। फिलहाल आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। उसकी पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। सीओ डॉ. देवेंद्र कुमार ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की तलाश की जा रही है। वाहन की पहचान कर जल्द ही आरोपी की गिरफ्तारी की जाएगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों सड़क पर गिर पड़े। दोनों को गंभीर चोट गाई। मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि मदनलाल गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद आरोपी ने भागने के दौरान सड़क से गुजर रहे लऊआ गांव के 20 साल के विशाल सिंह को भी रौंद दिया। उनकी भी मौके पर ही मौत हो गई।